**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 2039**

**उत्तर देने की तारीखः 28.07.2014**

**भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में खाली पड़ी सीटें**

**2039. श्री प्रभात झाः**

**श्री विजय गोयलः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (आई आई टी) में पिछले वर्ष बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गयी थी और क्या इस वर्ष भी सीटें खाली रहने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो कारण सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश के शीर्ष प्रौद्योगिकी शिक्षण संस्थानों में सीटों का खाली रह जाना प्रौद्योगिकी शिक्षा के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगाता; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

मानव संसाधन विकास मंत्री

**(**श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) और (ख) **: जी, नहीं। वर्ष 2013 में सीट आबंटन के तीन चरणों में 9867 में से कुल 9863 सीटें आबंटित की गई थीं। वर्ष 2014 में यह स्थिति लगभग समान ही है। अंतिम चरण में आबंटित सीटों वाले उम्मीदवारों को अनुदेश दिए गए हैं कि वे दाखिला देने वाले संस्थानों में सीधे रिपोर्ट करें और दाखिले की औपचारिकताएं पूरी करें। दाखिला प्रक्रिया अभी भी चल रही है। इन सीटों को स्वीकार न करने का कारण यह है कि उम्मीदवारों को इन आईआईटी में अपनी पसंद के विषय नहीं मिले हैं इसलिए वे अपनी पसंद के विषय में पढ़ाई करने के लिए भारत तथा विदेश में अन्य संस्थाओं में जाने को तरजीह देते हैं।**

(ग) और (घ) **: जी, नहीं। जेईई (मुख्य) तथा जेईई (एडवांस्ड) में पंजीकरण की संख्या में लगातार वृद्धि से प्रकट होता है कि इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईआईटी सर्वाधिक पसंदीदा संस्थाएं हैं।**

**\*\*\*\*\***